लाल किताब कुण्डली

Sample(Male)

Photograph

जन्म दिन-	18:10:1978(Wednesday)
जन्म समय-	11:00:00AM
जन्म स्थान-	New Delhi(INDIA) 028:39 077:13
दादा का नाम-	
दादी का नाम-	
पिता का नाम-	
माता का नाम-	
धर्म-	
जाति-	
उप जाति-	
फोन-	
मोबाइल-	
इ-मेल-	
पता-	

नाम-	*Abhimanue Singh*
संस्था का नाम-	*Mindsutra Software Technologies*
पता-	*www.mindsutra.com*
	www.saarcastro.org
	mindsutra@gmail.com
फोन-	*09818193410, 09350247058*

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

ज्योतिष सारिणी

जन्म दिन-	18 October 1978 (Wednesday)		
जन्म समय-	11:00:00		
जन्म स्थान-	New Delhi , INDIA	सांपातिक काल-	12:24:17 hrs
रेखांश-	077:13:00E	सूर्योदय-	06:26:40AM
अक्षांश-	028:39:00N	सूर्यास्त-	05:46:25PM
समयक्षेत्र-	-05:30:00 hrs	अयनांश-	N.C.Lahiri (023:33:39)
समय संशोधन-	00:00:00 hrs	**विक्रम संवत्-**	**2035**
जीएमटी. समय-	05:30:00 hrs	**शक संवत्-**	**1900**
स्थानीय समय संस्कार-	-00:21:08 hrs	**संवत्सर-**	**कालयुक्त**
स्थानीय समय-	10:38:52 hrs	**संवत्सर अधिपति-**	**अश्विनी**

अवकहड़ा चक्र

लग्न :	वृश्चिक
लग्नाधिपति :	मंगल
राशि (चन्द्रमा) :	मेष
राशिपति :	मंगल
नक्षत्र :	भरणी
नक्षत्रपति :	शुक्र
नक्षत्र चरण :	4
पाया :	स्वर्ण
ऋतु :	शरद
मास :	कार्तिक
पक्ष :	कृष्ण
तिथि :	तृतीया
तिथि श्रेणी :	जया
तिथि पति :	मंगल
करण :	वनिज
करण श्रेणी :	चर
करणपति :	मनिभद्र
गण :	मनुष्य
वर्ण :	क्षत्रिय
योनि :	हस्त (पु0)
सूर्य सिद्धान्त योग :	सिद्धि
रज्जु :	कटि
वश्य :	चतुश्पद
तत्व :	पृथ्वी
तत्वाधिपति :	बुध
विहग :	भारधंक
नाड़ी :	मध्य
नाड़ी पद :	मध्य
वेध :	अनुराधा
आद्याक्षर :	ला

घात चक्र

राशि (सूर्य) :	मेष
मास :	कार्तिक
तिथि :	1,6,11
वार :	रविवार
नक्षत्र :	माघ
प्रहर :	1
लग्न :	मेष
सूर्य सिद्धान्त योग :	विषकुम्भ
करण :	बावा

पाश्चात्य ज्योतिषीय सारिणी

सुर्य राशि-	तुला
देकानेट-	3
फेस :	V
चन्द्र राशि (पाश्चात्य) :	वृष
लग्न (पाश्चात्य) :	धनु
सूर्य का अवधिपति :	मंगल
चन्द्रमा का अवधिपति :	गुरू
अवधि बदलाव :	(बुध, गुरू), (गुरू, बुध)

जन्म-दिन का ग्रह- बुध

जन्म-समय का ग्रह- चन्द्रमा

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

पांचवें भाव में स्थित केतु का फल

आपकी कुण्डली में केतु पॉचवें भाव में स्थित है। आपको अचानक धन प्राप्त हो सकता है। आपके पास अद्भुत अलौकिक शक्ति होगी। आप अपने गुरू के भक्त होंगे। 24 साल की आयु के बाद आपको उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आपको 34 साल के दौरान अपने पुत्र और उसके बाद पौत्र से सुख प्राप्त होगा। आपको 48वें साल की आयु तक अपनी माता का सुख प्राप्त होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आप जीवन में सद्मार्ग का अनुसरण करके खुश रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी। आपके पुत्र के जन्म के बाद आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपको अपनी इच्छा के अनुसार संतान प्राप्त होगी।

यदि आपने अपना चरित्र खराब किया, अपने या किसी और के पुत्र के लिये परेशानी पैदा की, कुत्ते को मारा तो आपका केतु कमजोर हो सकता है। यदि आपका केतु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको अपने पुत्र का बहुत सुख प्राप्त नहीं हो सकता है। आपका समय आपकी 45 साल की आयु तक उत्तम नहीं हो सकता है। आपकी संतान को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको दमा या श्वसन संबंधित कोई रोग हो सकता है। आपको बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। आप बुरे लोगों की संगति में पड़ सकते हैं। आपका पुत्र आपकी माता के लिये अशुभ हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– बुरे लोगों का साथ न करें।
2– लोहे के सन्दूक में ताला न लगायें। उसे जब तब खोलते रहें।

उपाय :

1– दादा, पिता और गुरू की सेवा करें।
2– सूर्य को चीनी मिलाकर जल अर्पित करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

ग्यारहवें भाव में स्थित राहु का फल

आपकी कुण्डली में राहु ग्यारहवें भाव में स्थित है। आपका बचपन खुशहाल होगा। आपको एक उच्च शैक्षणिक संस्थान में पढ़ने का अवसर प्राप्त होगा। आपको अपने पिता से सुख प्राप्त होगा। आप अपने जीवन में अपने माता–पिता की सहायता के बिना प्रगति करेंगे। आप मजबूत और न्यायप्रिय होंगे। आप अपनी आय के द्वारा अपना जीवन व्यतीत करेंगे। अपने माता–पिता के साथ आपके मधुर संबंध कटु हो सकते हैं। आप विदेश यात्रा से धन प्राप्त करेंगे। यदि आपने दूसरों पर विश्वास किया तो आपको धोखा मिल सकता है।

यदि आपने अपने पास पिस्तौल रखी, नीलम पहना, घर पर गैरजरूरत का बिजली का सामान या तार रखा, तिजोरी या दराज खाली रखी तो आपका राहु कमजोर हो सकता है। यदि आपका राहु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके पिता को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपने पिता की मृत्यु के बाद आपको हानि हो सकती है। आप बुरे लोगों की संगति कर सकते हैं। आप गलत तरीकों से धन कमायेंगे। गुप्तांगों में रोग के कारण आपकी समस्यायें बढ़ सकती हैं। आपकी संतान कमजोर और अपाहिज हो सकती है। आपको युवावस्था में गरीबी का सामना करना पड़ सकता है। अपने दादा और पिता के साथ आपके संबंध मधुर नहीं हो सकते हैं। आपके जन्म के बाद आपके पिता की आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। आप अपने काम में निपुण होंगे और चालाक लोगों की संगति करेंगे। आप बेकार के झगड़ों में पड़ सकते हैं। आपको धन हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– नीलम न पहनें।
2– घर पर पिस्तौल न रखें।
3– बिजली का सामान सही हालत में रखें।

उपाय :

1– अपना सिर ढक कर रखें।
2– पानी में 4 सूखे नारियल और 4 किलोग्राम सिक्कों से बना चौरस टुकड़ा प्रवाहित करें।
3– यदि आप सिगरेट पीते हैं तो चांदी का पाइप लगाकर पियें।

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब लग्न कुण्डली

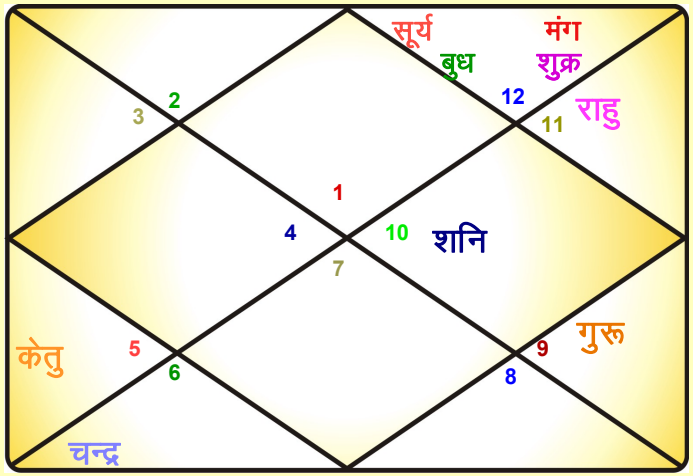

लाल किताब कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भावस्थ	भावेश	प्रभाव	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	द्वादश	5	राशि			हॉ	शुभ भाव में
चन्द्रमा	षष्टम्	4	राशि				अशुभ भाव में
मंगल (बद)	द्वादश	1, 8	राशि			हॉ	शुभ भाव में
बुध (बद)	द्वादश	3, 6	ग्रह				अशुभ भाव में
गुरू	नवम्	9, 12	ग्रह	हॉ			शुभ भाव में
शुक्र	द्वादश	2, 7	ग्रह			हॉ	शुभ भाव में
शनि	दशम्	10, 11	ग्रह	हॉ			शुभ भाव में
राहु	एकादश		राशि			हॉ	अशुभ भाव में
केतु	पंचम्		राशि	हॉ			शुभ भाव में

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब चन्द्र कुण्डली

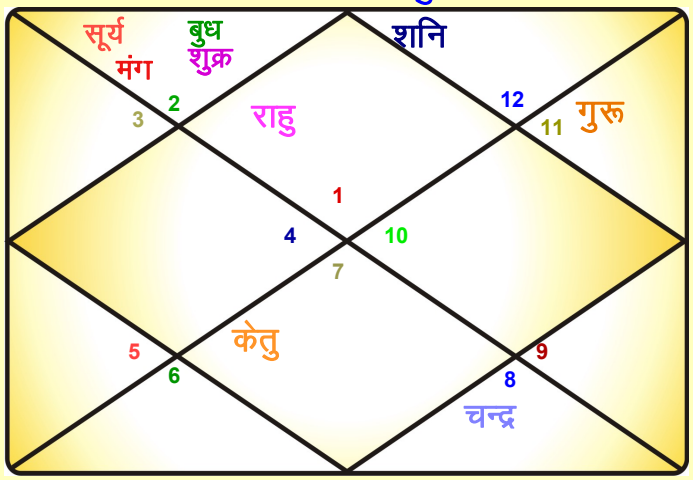

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा –शुक्र : १ व0 ११ मा0 २५

कस	ग्रह दशा	अवधि	से ——— तक
1	शुक्र दशा	1 y.11 m.25 d.	18:10:1978 –- 13:10:1980
2	सूर्य दशा	6 y.0 m.0 d.	13:10:1980 –- 13:10:1986
3	चन्द्रमा दशा	10 y.0 m.0 d.	13:10:1986 –- 13:10:1996
4	मंगल दशा	7 y.0 m.0 d.	13:10:1996 –- 13:10:2003
5	राह दशा	18 y.0 m.0 d.	13:10:2003 –- 13:10:2021
6	गुरू दशा	16 y.0 m.0 d.	13:10:2021 –- 13:10:2037
7	शनि दशा	19 y.0 m.0 d.	13:10:2037 –- 13:10:2056
8	बुध दशा	17 y.0 m.0 d.	13:10:2056 –- 13:10:2073
9	केतु दशा	7 y.0 m.0 d.	13:10:2073 –- 13:10:2080

राहु दशा
13:10:2003 —— 13:10:2021

अन्तर्दशा	से ———
राह	13:10:2003
गुरू	26:06:2006
शनि	19:11:2008
बुध	25:09:2011
केतु	14:04:2014
शुक्र	02:05:2015
सूर्य	02:05:2018
चन्द्रमा	27:03:2019
मंगल	25:09:2020

बुध अन्तर्दशा
25:09:2011 —— 14:04:2014

प्रत्यन्तर्दशा	से ———
बुध	25:09:2011
केतु	04:02:2012
शुक्र	29:03:2012
सूर्य	01:09:2012
चन्द्रमा	18:10:2012
मंगल	03:01:2013
राह	27:02:2013
गुरू	16:07:2013
शनि	17:11:2013

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

दसवें भाव में स्थित शनि का फल

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। आप महत्वाकांक्षी होंगे। आपको सरकार से लाभ प्राप्त होगा। यदि आप दूसरों का आदर करेंगे तो आपको भी सम्मान मिलेगा। प्रत्येक 7 साल की अवधि के बाद आपका धन बढ़ेगा। आपकी आयु के प्रत्येक 3 साल आपके लिये लाभकरी होंगे। आप धार्मिक और सद्गुणी व्यक्ति होंगे, लेकिन अपनी वृद्धावस्था के दौरान आप निकम्मे हो सकते हैं। आपके ससुराल वालों का धन भी बढ़ेगा। आपको उत्तम वाहन का सुख प्राप्त होगा। यदि आप अपना व्यवसाय एक स्थान पर करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप मेहनती होंगे और अपना भाग्य स्वयं लिखेंगे। आप 39 साल की आयु तक पिता का उत्तम सुख प्राप्त करेंगे। 3रा, 4था, 9वॉ, 21वॉ, 33वॉ, 40वॉ और 57वॉ साल आपके जीवन का बहुत लाभकरी होगा। आपका धन, प्रगति और सम्मान इन सालों में 10 गुना बढ़ेगा।

यदि आप 48 साल की आयु के पहले घर बनाते हैं, मांस–मदिरा का सेवन करेंगे, अपना चरित्र खराब करेंगे, यात्रा वाला व्यवसाय करेंगे तो आपका शनि कमजोर हो सकता है। यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके माता–पिता, जीवनसाथी और ससुराल वालों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको हानि हो सकती है या आपकी प्रगति रूक सकती है। आपका धन और सम्मान लुप्त हो सकता है। आपके जीवन का 27वॉ साल अशुभ हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– मांस–मदिरा का सेवन न करें।
2– भाग–दौड़ के काम न करें।

उपाय :

1– अपने पास हथियार न रखें।
2– अपने मस्तक पर केसर का तिलक लगायें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

बारहवें भाव में स्थित शुक्र का फल

आपकी कुण्डली में शुक्र बारहवें भाव में स्थित है। आपको ज्योतिष और गूढ़ विषयों में रूचि हो सकती है। आप अपने परिवार का पालन पोषण करेंगे। आपको सरकार से उत्तम लाभ प्राप्त होगा। आप एक सुखी और खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे। जो काम आपकी पत्नी द्वारा पूरे होंगे, वे लाभप्रद होंगे। आपको अपने प्रयासों के निश्चित परिणाम प्राप्त होंगे। आपकी पत्नी बुरे समय में आपकी मदद करेंगी। वे आपकी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगी। यदि आप अपनी पत्नी का सम्मान करेंगे तो आपको उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। विवाह के बाद आपको पर्याप्त धन मिलेगा। आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण और खुशियों से भरा होगा। आप परोपकारी होंगे और हमेशा दूसरों की मदद करने को उत्सुक रहेंगे। आपका प्रारम्भिक जीवन सुखों से भरा होगा। आपके दिमाग में कुछ संशय हो सकता है। आपको चित्रकारी या गायन पसन्द होगा। आप सद्मार्ग का अनुसरण करेंगे और आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपको खेती से लाभ प्राप्त होगा। आप निर्दयी हो सकते हैं, लेकिन आपका सम्मान कम नहीं होगा। आपके पास काफी सम्पत्ति होगी।

यदि अपनी पत्नी के साथ आपके मधुर संबंध नहीं हुये, उनके अस्वस्थ होने पर आपने उनकी देखभाल नहीं की, पराई औरतों के साथ आपके अनैतिक संबंध हुये तो आपका शुक्र कमजोर हो सकता है। यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका भाग्य आपका साथ नहीं देगा। आपकी पत्नी बीमार रह सकती हैं। आप अपनी वृद्धावस्था के दौरान अपने अतीत के बारे में बात करके अपना समय बर्बाद कर सकते हैं। आपके जीवन पर आपकी पुत्री का बुरा प्रभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपनी पत्नी के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।
2– सद्मार्ग से न हटें।

उपाय :

1– गाय दान करें।
2– घी का दीपक जलायें।

लाल किताब में ग्रहों की दृष्टि

लाल किताब की सामान्य दृष्टि

	सू0	च0	मं0	बु0	गु0	शु0	श0	रा0	के0
सूर्य									
चन्द्रमा	चतुर्थ		चतुर्थ	चतुर्थ		चतुर्थ			
मंगल									
बुध		पूर्ण							
गुरू									
शुक्र									
शनि									
राहु									
केतु					अर्द्ध				

ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृह	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य		0							
चन्द्रमा	0		0	0		0			
मंगल									
बुध		0							
गुरू									0
शुक्र		0							
शनि	0		0	0		0			
राहु									0
केतु					0			0	

गोचर शनि
(शनि साढ़ेसाती)

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर।
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चन्द्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।

शनि साढ़ेसाती का पहला चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मीन	02:06:1995	10:08:1995	0 y.2 m.8 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	मीन	16:02:1996	17:04:1998	2 y.1 m.29	
द्वितिय ढ़ैया	मेष	17:04:1998	07:06:2000	2 y.1 m.21	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)					
तृतिय ढ़ैया	वृष	07:06:2000	23:07:2002	2 y.1 m.15	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	वृष	08:01:2003	07:04:2003	0 y.2 m.28	
कंटक शनि	कर्क	06:09:2004	13:01:2005	0 y.4 m.7 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	कर्क	26:05:2005	01:11:2006	1 y.5 m.7 d.	
अष्टम शनि	वृश्चिक	02:11:2014	26:01:2017	2 y.2 m.24	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	वृश्चिक	21:06:2017	26:10:2017	0 y.4 m.5 d.	

शनि साढ़ेसाती का दूसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मीन	29:03:2025	03:06:2027	2 y.2 m.5 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	मीन	20:10:2027	23:02:2028	0 y.4 m.4 d.	
द्वितिय ढ़ैया	मेष	03:06:2027	20:10:2027	0 y.4 m.17	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	मेष	23:02:2028	08:08:2029	1 y.5 m.14	
तृतिय ढ़ैया	वृष	08:08:2029	05:10:2029	0 y.1 m.27	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	वृष	17:04:2030	31:05:2032	2 y.1 m.14	
कंटक शनि	कर्क	13:07:2034	27:08:2036	2 y.1 m.15	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)					
अष्टम शनि	वृश्चिक	12:12:2043	23:06:2044	0 y.6 m.11	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	वृश्चिक	30:08:2044	08:12:2046	2 y.3 m.8 d.	

शनि साढ़ेसाती का तीसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मीन	14:05:2054	02:09:2054	0 y.3 m.19 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	मीन	05:02:2055	07:04:2057	2 y.2 m.0 d.	
द्वितिय ढ़ैया	मेष	07:04:2057	28:05:2059	2 y.1 m.20 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)					
तृतिय ढ़ैया	वृष	28:05:2059	11:07:2061	2 y.1 m.13 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	वृष	13:02:2062	07:03:2062	0 y.0 m.22 d.	
कंटक शनि	कर्क	24:08:2063	06:02:2064	0 y.5 m.14 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	कर्क	09:05:2064	13:10:2065	1 y.5 m.4 d.	
अष्टम शनि	वृश्चिक	05:02:2073	31:03:2073	0 y.1 m.23 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	वृश्चिक	23:10:2073	16:01:2076	2 y.2 m.24 d.	

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

नौवें भाव में स्थित गुरू का फल

आपकी कुण्डली में बृहस्पति नौवें भाव में स्थित है। आप भाग्यशाली और धनी होंगे। 36 साल की आयु में आपका भाग्य चमकेगा और आप धन प्राप्त करेंगे। आपको जीवन में धन का अभाव कभी नहीं होगा। आप वचन के पक्के होंगे और अपने सिद्धान्तों से कभी भी समझौता नहीं करेंगे। सोने, चांदी, रत्नों से संबंधित कोई भी व्यवसाय आपके लिये लाभकारी होगा। आपके परिवार का मान बना रहेगा। आप तीर्थस्थानों की यात्रा करना पसन्द करेंगे। आप सद्गुणी और ज्ञानी व्यक्ति होंगे। आपको ज्योतिष और चिकित्सा विज्ञान का ज्ञान होगा। आप अपने पूर्वजों की मदद से प्रगति करेंगे। आपका परिवार धनी, सम्मानित और कुलीन होगा। आप परिश्रम के द्वारा धन कमायेंगे। आप एक राजा की तरह व्यवहार करेंगे। आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा। आप 16वें, 19वें, 33वें, 49वें साल में बहुत धन कमायेंगे। आप अपने भाग्य के रचयिता स्वयं होंगे। आपको वैवाहिक जीवन के सुख प्राप्त होते रहेंगे। आपके परिवार को शुभ परिणाम प्राप्त होंगे।

यदि आप धर्म के मार्ग से भटकेंगे, अधार्मिक कार्य करेंगे, अपना वादा पूरा नहीं करेंगे तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है। यदि आपका बृहस्पति किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप अपनी संतान के कारण दुःखी रह सकते हैं। आपको दिल का रोग हो सकता है। आप आलसी हो सकते हैं और इस कारण से आप अपने काम पूरे कर पाने में असर्मथ हो सकते हैं। यदि आपका सोना चोरी हो जाता है या खो जाता है या आप बेच देते है तो आपको अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आपको जीवन में प्रतिकूल समय का सामना करना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1— अपना वादा पूरा करें।
2— अपने सोने की रक्षा करें।

उपाय :

1— लगातार 9 माह तक हर महीने गंगा में स्नान करें।
2— धर्म का पालन करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

बारहवें भाव में स्थित बुध का फल

आपकी कुण्डली में बुध बारहवें भाव में स्थित है। आपकी स्थिति में सुधार होगा। आपको धन और सम्पत्ति प्राप्त होगी, लेकिन आपके खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं। आप बुद्धिमानी के साथ काम करेंगे। आपकी बहन और पुत्री अपने जीवनसाथी के साथ सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी। आपको ज्योतिष या गूढ़ विषयों में रूचि होगी।

यदि आप झूठा वादा करेंगे, नशीलें पदार्थों का सेवन करेंगे, अपने साथ हुयी धोखाधड़ी के बारे में हर समय बात करेंगे तो आपका बुध कमजोर हो सकता है। यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपकी मानसिक स्थिति अच्छी नहीं हो सकती है। आपके सिर में दर्द हो सकता है। आपको अच्छी तरह से नींद नहीं आ सकती है। आपकी बहन और पुत्री अपने–अपने घर पर दुःखी रह सकती हैं। आपको सट्टे, लॉटरी या दलाली के काम में हानि हो सकती है। आप धनी होंगे, लेकिन आप खुश नहीं रह सकते हैं। आपके पिता की आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। कभी–कभी आपको जानकारी के अभाव या शक के कारण हानि हो सकती है। आपके भाई को जीवन में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप 25 साल की आयु में विवाह करते हैं तो यह आपके पिता के लिये अच्छा नहीं हो सकता है। आपकी पत्नी के भाग्य में कमी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपना वादा पूरा करें।
2– क्रोध न करें।

उपाय :

1– अपने बांयें हाथ में जोड़रहित स्टील की अंगूठी पहनें।
2– मिट्टी का खाली बर्तन ढ़क्कन सहित पानी में प्रवाहित करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब दशा

प्रथम चक्र

शनि दशा 6 वर्ष		राहु दशा 6 वर्ष		केतु दशा 3 वर्ष	
राहु	18:10:1980	मंगल	18:10:1986	शनि	18:10:1991
बुध	18:10:1982	केतु	18:10:1988	राहु	18:10:1992
शनि	18:10:1984	राहु	18:10:1990	केतु	18:10:1993
गुरू दशा 6 वर्ष		सूर्य दशा 2 वर्ष		चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
केतु	18:10:1995	सूर्य	18:07:2000	गुरू	19:05:2002
गुरू	18:10:1997	चन्द्रमा	18:04:2001	सूर्य	18:09:2002
सूर्य	18:10:1999	मंगल	17:01:2002	चन्द्रमा	17:01:2003
शुक्र दशा 3 वर्ष		मंगल दशा 6 वर्ष		बुध दशा 2 वर्ष	
मंगल	17:01:2004	मंगल	17:01:2008	बुध	18:10:2012
शुक्र	17:01:2005	शनि	17:01:2010	मंगल	19:07:2013
बुध	17:01:2006	शुक्र	17:01:2012	गुरू	18:04:2014

द्वितिय चक्र

शनि दशा 6 वर्ष		राहु दशा 6 वर्ष		केतु दशा 3 वर्ष	
राहु	18:04:2016	मंगल	18:04:2022	शनि	18:04:2027
बुध	18:04:2018	केतु	18:04:2024	राहु	18:04:2028
शनि	18:04:2020	राहु	18:04:2026	केतु	18:04:2029
गुरू दशा 6 वर्ष		सूर्य दशा 2 वर्ष		चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
केतु	18:04:2031	सूर्य	17:01:2036	गुरू	17:11:2037
गुरू	18:04:2033	चन्द्रमा	18:10:2036	सूर्य	19:03:2038
सूर्य	18:04:2035	मंगल	19:07:2037	चन्द्रमा	19:07:2038
शुक्र दशा 3 वर्ष		मंगल दशा 6 वर्ष		बुध दशा 2 वर्ष	
मंगल	19:07:2039	मंगल	19:07:2043	बुध	18:04:2048
शुक्र	18:07:2040	शनि	19:07:2045	मंगल	17:01:2049
बुध	19:07:2041	शुक्र	19:07:2047	गुरू	18:10:2049

तृतिय चक्र

शनि दशा 6 वर्ष		राहु दशा 6 वर्ष		केतु दशा 3 वर्ष	
राहु	18:10:2051	मंगल	18:10:2057	शनि	18:10:2062
बुध	18:10:2053	केतु	18:10:2059	राहु	18:10:2063
शनि	18:10:2055	राहु	18:10:2061	केतु	18:10:2064
गुरू दशा 6 वर्ष		सूर्य दशा 2 वर्ष		चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
केतु	18:10:2066	सूर्य	19:07:2071	गुरू	19:05:2073
गुरू	18:10:2068	चन्द्रमा	18:04:2072	सूर्य	18:09:2073
सूर्य	18:10:2070	मंगल	17:01:2073	चन्द्रमा	17:01:2074
शुक्र दशा 3 वर्ष		मंगल दशा 6 वर्ष		बुध दशा 2 वर्ष	
मंगल	17:01:2075	मंगल	17:01:2079	बुध	18:10:2083
शुक्र	17:01:2076	शनि	17:01:2081	मंगल	18:07:2084
बुध	17:01:2077	शुक्र	17:01:2083	गुरू	18:04:2085

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

जातक के हाथ की रेखाओं का लाल किताब से एक अनुमान

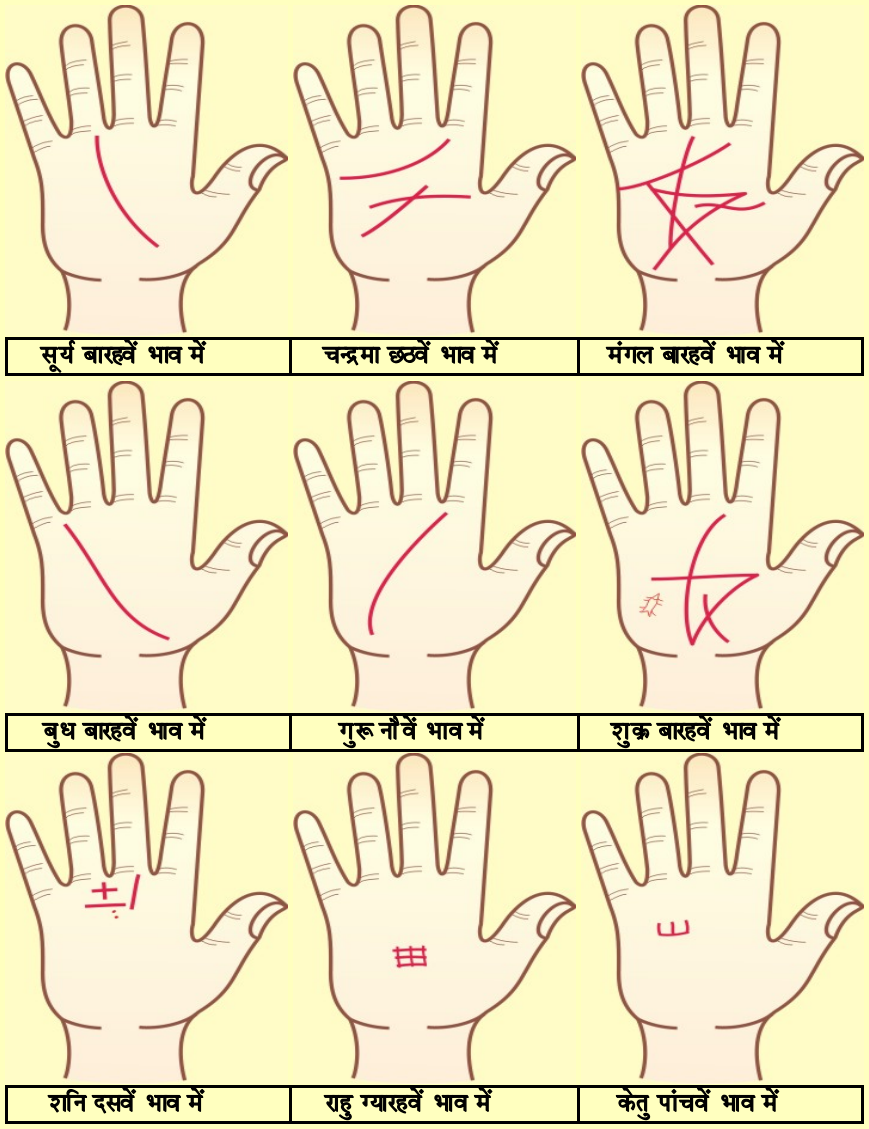

सूर्य बारहवें भाव में	चन्द्रमा छठवें भाव में	मंगल बारहवें भाव में
बुध बारहवें भाव में	गुरू नौवें भाव में	शुक्र बारहवें भाव में
शनि दसवें भाव में	राहु ग्यारहवें भाव में	केतु पांचवें भाव में

बारहवें भाव में स्थित मंगल का फल

आपकी कुण्डली में मंगल बारहवें भाव में स्थित है। आपको मंगल के शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपकी आवाज जोरदार होगी। आपको धन और सम्पत्ति मिलेगी। आपको 24 साल की आयु में पुत्र की प्राप्ति होगी। आपके पुत्र के जन्म के बाद आपका भाग्य चमकेगा। आपके शत्रु आपसे डरेंगे। आप क्रोधी स्वभाव के होंगे। आपको स्वतंत्रता प्रिय होगी और आप जो करना चाहेंगे, वह करेंगे। आप मुश्किलों पर विजय प्राप्त करेंगे। आपकी रोगों से रक्षा होगी। आपका जन्म बहुत धनी परिवार में हुआ होगा या आपके जन्म के बाद आपका परिवार धनी हो गया होगा। आपको अपने ससुराल से आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। आप गुरू और ब्राह्मण की सेवा करेंगे। आप परोपकारी होंगे और गरीबों तथा बुजुर्गों की सहायता करेंगे। आपको धन का सुख प्राप्त होगा। आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल होगा।

यदि आप अपने पास हथियार रखेंगे, नमक या नमकीन चीजे सुबह उठते ही खायेंगे, अपने परिवार के लोगों को परेशान करेंगे, किसी का अहसान नहीं मानेंगे तो आपका मंगल कमजोर हो सकता है। यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप नीच प्रकृति के हो सकते हैं। आपके बारे में अफवाह फैल सकती है। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर नहीं हो सकते हैं या आपको उनका सुख कम मिल सकता है। बुरी संगति के कारण आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आप अपनी मूर्खता के कारण अपना व्यवसाय बर्बाद कर सकते हैं। आपको नेत्र रोग हो सकता है। आप विकलांग हो सकते हैं या आपकी बॉह में चोट लग सकती है। आपको रक्त विकार हो सकता है। आपको चोरी और चोट से सावधान रहना चाहिये। यदि आपके बड़े भाई जीवित हैं तो वह 28 साल तक सब कुछ खो सकते हैं। वह आत्महत्या करने के बारे में भी सोच सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपने घर पर जंग लगा हथियार न रखें।
2– किसी का विश्वास न करें।

उपाय :

1– मीठी रोटी या हलवा खायें।
2– सुबह उठकर शहद का सेवन करें।

छठवें भाव में स्थित चन्द्रमा का फल

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा छठे भाव में स्थित है। आपकी पुत्रियों की संख्या पुत्रों से अधिक हो सकती है। आप बुद्धिमान होंगे और बड़ी बुद्धिमानी के साथ योजना बनायेंगे। मुकदमों में आपको सफलता प्राप्त होगी। आपको अपने ननिहाल से लाभ और सहयोग प्राप्त होगा। आपको एक कहावत सदैव याद रखनी चाहिये – जैसा आप बोयेंगे, वैसा ही काटेंगे। आपकी बहन, बुआ और पुत्री का जीवन समृद्धिपूर्ण और आनन्द से भरा होगा। आप अपना व्यवसाय बदल सकते हैं या आपका स्थानांतरण बार–बार हो सकता है। आप बहुत दयालु व परोपकारी होंगे और सदैव लोगों की मदद करेंगे। आपको किसी प्रकार की आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपके शत्रु आपसे डरेंगे।

यदि आप अपनी बहन और पुत्री का धन प्रयोग करते हैं, अपनी गुप्त बातें लोगों को बतायेंगे, सूर्यास्त के बाद दूध पीयेंगे, दूसरों के लिये कुँआ बनवायेंगे या नल लगवायेंगे तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकता है। यदि आपका चन्द्रमा किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपकी माता के सुख में कमी हो सकती है या आपको अपना बचपन अपनी सौतेली माता के साथ बिताना पड़ सकता है। यदि आप लोगों के लिये 24 साल की आयु के दौरान पानी के स्रोतों का निर्माण करवाते हैं तो इसका बुरा प्रभाव आपकी माता और संतान पर पड़ सकता है। आपके जीवनसाथी नेत्र रोग से पीड़ित हो सकते हैं। आपके ससुराल वालों को हानि हो सकती है। आपको कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप चिन्तित रह सकते हैं। यदि आप कोई काम सोच–समझ कर नहीं करेंगे तो आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपकी माता को कष्ट हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– लोगों के लिये 24 साल की आयु के दौरान पानी के स्रोतों का निर्माण न करवायें।
2– अपने राज दूसरों को न बतायें।
3– सूर्यास्त के बाद दूध न पियें।

उपाय :

1– पानी के स्रोतों का निर्माण किसी अस्पताल या श्मशान में करवाना शुभ होगा।
2– जब आपकी माता को कष्ट हो तो खरगोश की सेवा करें।
3– चन्द्र ग्रहण के समय चार सूखे नारियल पानी में प्रवाहित करें।

कालसर्प योग

जब कुण्डली में सारे ग्रह राहु और केतु के अंशो के बीच में आ जाते हैं तो कुण्डली को कालसर्प योग से ग्रसित माना जाता है। यदि एक भी ग्रह राहु और केतु के अंशो के बाहर रह जाता है तो पूंर्ण कालसर्प योग नही माना जाएगा। हांलाकि सारे ग्रह केतू और राहु के अंशो के बीच में आ जायें तो भी आशिंक कालसर्प योग माना जायेगा।

आपकी कुण्डली में कालसर्प योग मौजुद नहीं है।

कालसर्प योग का सामान्य प्रभाव

१) किसी भी शुभ और महत्वपूर्ण कार्य को करते समय परेशानियों का सामना करना ।
२) मानसिक तनाव
३) आत्म विश्वास मे कमी
४) स्वास्थ्य संबधी परेशानियां
५) गरीबी और धन की कमी
६) ब्यापार में घाटा और नौकरी में परेशानी
७) उत्तेजना और बेकार की चिंताएं
८) मित्रों और शुभचिंतकों से मनमुटाव
९) मित्रों और शुभचिंतकों की तरफ से विश्वासघात
१0) मित्रों, शुभचिंतकों और रिश्तेदारों की ओर से किसी भी तरह का सहयोग नहीं प्राप्त होन

मांगलीक दोष

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी कुण्डली में मंगल पहले, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में बैठा हुआ है तो, इस स्थिति में उस कुण्डली में मांगलीक दोष लागु होता है।

लाल किताब के अनुसार, आपकी कुण्डली में मंगल पहले, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें
में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति में आपकी कुण्डली में मांगलीक दोष
हो रहा है।

बारहवें भाव में स्थित मंगल का दाम्पत्य जीवन पर असर –

आपकी कुण्डली में मंगल बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको च
तरफ से धोखा मिल सकता है। आपके भाई और मित्र भी शत्रु हो जायेंगे। आप अपना गुस्सा
अपनी जीवनसाथी पर उतारेंगे, जिससे कि दाम्पत्य जीवन में कलह बनी रह सकती है।

मांगलिक दोष निवारण के उपाय

१-सादाचार का पालन करें।
२-सदा सत्य बोलें।
३-झुठी गवाही न दें।
४-शराब और मांस-मछली का सेवन न करें।
५-मुफ्त में किसी से कुछ भी न लें।
६-नि:सन्तान दम्पति से जमीन-जयदाद न खरीदें।
७-जिस मकान का दरवाजा दक्षिण की ओर रहे, उसमें निवास न करें।
८-सुबह-सुबह शहद का सेवन करें।
९-मिठाई बनाकर खायें, और दूसरों को खिलायें।
१0-जन्मदिन जैसे अवसरों पर मिठाई बाटें।
११-घर आये मेहमानों को मिठाई खिलायें।
१२-बहन-बेटी अथवा बुआ के घर जायें तो मिठाई ले कर जायें।
१३-पत्नी की सेवा करें, और उचित देख-भाल करें।
१४-भाई की संतान को पालें।
१५-बड़े भाई, ताउ, और मामा की सेवा करें।

बारहवें भाव में स्थित सूर्य का फल

आपकी कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में स्थित है। आप अवश्य सम्पन्न होंगे। आप बड़े उपक्रमों के द्वारा धन कमायेंगे। यदि आप डाक्टर या दवा विक्रेता हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आटे या आटा मिल का व्यवसाय भी आपके लिये लाभकारी होगा। आप तनाव मुक्त होंगे और आपको मानसिक शांति प्राप्त होगी। आपको अपने व्यवसाय में शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपका पारिवारिक जीवन खुशहाल होगा और आपको अपने से बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आपका घर खुशियों से पूर्ण होगा। आप आध्यात्म और ध्यान के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। आपको गूढ़ विज्ञान में रूचि होगी। आप विदेशी मामलों से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप विदेश में निवास कर सकते हैं। आपकी वृद्धावस्था सुखों से पूर्ण होगी।

यदि आप बिना आंगन वाले घर में निवास करते हैं, विधवा स्त्री या निम्न स्तर की महिला के साथ आपके अनैतिक सम्बन्ध हैं या दूसरों के सुख में बाधा उत्पन्न करते हैं या बिजली का सामान बिना मोल दिये लेते हैं तो आपका सूर्य कमजोर हो सकता है। यदि आपका सूर्य किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप ऑख और दिमाग सम्बन्धित रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं। आप बहुत क्रोधी स्वभाव के हो सकते हैं। आप दुष्ट स्वभाव के हो सकते हैं। आपको लकड़ी और बिजली से संबधित व्यवसाय में हानि हो सकती है। मशीनी कार्यों में भी आपको हानि हो सकती है। आपको लोहे, तेल, अनाज, कच्चा कोयला और घर निर्माण के व्यवसाय में हानि हो सकती है। यदि आपने विधवा स्त्री या निम्न स्तर की महिला के साथ अनैतिक सम्बन्ध रखा तो आपकी पैतृक सम्पत्ति नष्ट हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– बिजली का सामना बिना मोल दिये न लें।
2– दूसरों की शांति में बाधा न डालें।

उपाय :

1– जल में चीनी मिलाकर सूर्य को अर्पण करें।
2– चीटियों को त्रिचूली खिलायें।